बच्चों को
सात जानलेवा बीमारियों से बचाएँ

एक साल के अन्दर
उन्हें सभी टीके लगवाएँ

मुफ्त टीकाकरण

हर मंगलवार
एवं
शुक्रवार

मुस्कान एक अभियान

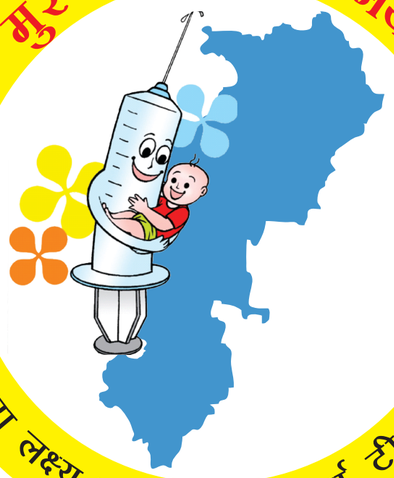

हमारा लक्ष्य शत–प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण

unicef
unite for children

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION

नियमित टीकाकरण

टीकाकरण क्या है ?

टीकाकरण बचपन में होने वाली कई जानलेवा बीमारियों से बचाव का सबसे असरदार तरीका है।

नियमित टीकाकरण क्यों आवश्यक है ?

नियमित टीकाकरण द्वारा बच्चे को सात जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सकता है।

नियमित टीकाकरण द्वारा किन–किन बीमारियों से बचाव होता है ?

नियमित टीकाकरण द्वारा टी.बी., गलघोंटू (डिप्थीरिया), काली खाँसी, टेटनस, पोलियो, हेपेटाइटिस एवं खसरा जैसी सात जानलेवा बीमारियों से बचाव संभव है।

नियमित टीकाकरण कहाँ उपलब्ध है ?

नियमित टीकाकरण सभी सरकारी अस्पतालों पर प्रत्येक कार्यदिवस को एवं अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र और स्वास्थ्य उप केन्द्र पर प्रत्येक बुधवार को साथ ही प्रत्येक आँगनवाड़ी केन्द्र पर महीने में एक शुक्रवार को मुफ़्त उपलब्ध है।

इन टीकों को लगाने से क्या बच्चों में कोई अन्य प्रतिक्रिया भी होती है ?

ये टीके बच्चों के लिए पूर्णतः सुरक्षित हैं, इनसे बच्चों में किसी भी तरह की विपरीत प्रतिक्रिया होने की संभावना नगण्य है।

गाँव स्तर पर टीकाकरण हेतु किनसे सम्पर्क करना चाहिए ?

''मुस्कान एक अभियान'' के तहत प्रत्येक आँगनवाड़ी केन्द्र पर महीने में एक बार टीकाकरण अवश्य होता है। गाँव में टीकाकरण के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ता अथवा ''मितानिन'' या नज़दीकी प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र से सम्पर्क करना चाहिए।

क्या टीकाकरण के दौरान समय सारणी को ध्यान में रखने हेतु कोई जानकारी दी जाती है ?

हाँ, प्रत्येक गर्भवती माता एवं नवजात माता एवं शिशुको 'जच्चा–बच्चा रक्षा कार्ड' उपलब्ध कराया जाता है, ताकि नियत समय पर टीकाकरण कराया जा सके।

क्या नियमित टीकाकरण में गर्भवती माताओं का भी टीकाकरण किया जाता है ?

हाँ, गर्भवती माताओं को टी.टी. के दो टीके, चार सप्ताह के अंतराल पर दिये जाते हैं।

यदि टीकाकरण सारणी के अनुसार किसी बच्चे को टीका नहीं लगा हो तो भी क्या उसे बाद में टीका लगाया जा सकता है ?

जी हाँ! बी.सी.जी. का टीका एक साल की उम्र तक, डी.पी.टी., खसरा और पोलियो के टीके 5 साल की उम्र तक और टी.टी. के टीके किसी भी उम्र में लगाये जा सकते हैं। लेकिन टीकाकरण सारणी के समयानुसार ही टीके लगवाना उचित है।

टीकाकरण तालिका

बच्चों के लिए

बी.सी.जी. जन्म के तुरंत बाद या 1 वर्ष के अन्दर जल्द से जल्द पोलियो–0 जन्म से 15 दिनों के अन्दर हेपाटाईटिस 'बी' जन्म से 24 घंटे के भीतर	1½ महीने पर डी.पी.टी.–1 पोलियो–1	2½ महीने पर डी.पी.टी.–2 पोलियो–2
3½ महीने पर डी.पी.टी.–3 पोलियो–3	9 महीने पर मिजिल्स विटामिन 'ए'	16 से 24 महीने पर डी.पी.टी. बूस्टर पोलियो बूस्टर जापानी इनकेफलाईटिस विटामिन 'ए' 5 वर्ष की आयु तक हर 6 माह पर विटामिन 'ए' की खुराक पिलाएं

गर्भवती महिलाओं के लिए

गर्भ की प्रारंभिक अवस्था में टी.टी.1 टेटनस से बचाव के लिए	टी.टी. 1 के एक महीने बाद टी.टी.2	अगर पहली गर्भावस्था में टी.टी. के दो टीके ले लिए गये हों और दूसरी गर्भावस्था यदि तीन साल के अंदर हो तब सिर्फ एक टी.टी.बूस्टर